महत्वपूर्ण/शीर्ष प्राथमिकता
संख्या- 114 /68-5-2020

प्रेषक,

रेणुका कुमार,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1- मण्डलायुक्त,
समस्त मण्डल, उ0प्र0।

2- जिलाधिकारी
समस्त जनपद, उ0प्र0।

बेसिक शिक्षा अनुभाग-5 लखनऊ: दिनांक: 28 फरवरी, 2020

विषय- **"मिशन प्रेरणा " के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा बेसिक शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर महत्वाकांक्षी "मिशन प्रेरणा" का शुभारम्भ एवं "प्रेरणा तकनीकी फ्रेमवर्क" का उद्घाटन किया गया है, जिसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शासनादेश संख्या-783/68-5-2019, दिनांक 02 सितम्बर,2019 द्वारा एवं समय-समय पर विस्तृत निर्देश भी दिये गये हैं।

"मिशन प्रेरणा" के प्रभावी अनुश्रवण हेतु राज्य, मण्डल एवं जनपद स्तर पर निम्नवत् टास्क फोर्स का गठन किया जाता है:-

राज्य स्तरीय टास्क-फोर्स

1.	मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन	-	अध्यक्ष
2.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन	-	उपाध्यक्ष
3.	प्रमुख सचिव, पंचायती राज, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
4.	प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
5.	प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
6.	प्रमुख सचिव, नगर विकास, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
7.	सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
8.	महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उ0प्र0	-	सदस्य/सचिव
9.	राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ0प्र0	-	सदस्य
10.	निदेशक, मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण, उ0प्र0	-	सदस्य
11.	राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी	-	सदस्य
12.	निदेशक, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0	-	सदस्य
13.	निदेशक, रा0शै0अ0प्र0प0, उ0प्र0	-	सदस्य

मण्डल स्तरीय टास्क-फोर्स

1.	मण्डलायुक्त	-	अध्यक्ष
2.	अपर निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य	-	सदस्य
3.	सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी	-	सदस्य
4.	उप निदेशक, पंचायती राज विभाग	-	सदस्य

Scanned by CamScanner

5.	उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी	-	सदस्य
6.	मण्डल मुख्यालय के जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य	-	सदस्य
7.	मण्डल मुख्यालय के जनपद के जिला कार्यक्रम अधिकारी (आई0सी0डी0एस0)	-	सदस्य
8.	उप निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण	-	सदस्य
9.	मण्डल मुख्यालय के जनपद के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी	-	सदस्य
10.	मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बे0)	-	सदस्य/सचिव

<u>जनपद स्तरीय टास्क-फोर्स</u>

1.	जिलाधिकारी	-	अध्यक्ष
2.	मुख्य विकास अधिकारी	-	उपाध्यक्ष
3.	मुख्य चिकित्साधिकारी	-	सदस्य
4.	प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान	-	सदस्य
5.	जिला पंचायत राज अधिकारी	-	सदस्य
6.	परियोजना निदेशक, डूडा	-	सदस्य
7.	जिला खाद्य विपणन अधिकारी	-	सदस्य
8.	जिला आपूर्ति अधिकारी	-	सदस्य
9.	जिला कार्यक्रम अधिकारी (आई0सी0डी0एस0)	-	सदस्य
10.	जिला परिवीक्षा अधिकारी	-	सदस्य
11.	जिला समाज कल्याण अधिकारी	-	सदस्य
12.	जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी	-	सदस्य
13.	जिला सूचना विज्ञान अधिकारी	-	सदस्य
14.	जिला युवा कल्याण अधिकारी	-	सदस्य
15.	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	-	सदस्य/सचिव

<u>अनुश्रवण एवं समीक्षा</u>

"मिशन प्रेरणा" के अन्तगत निर्धारित लक्ष्यों की सम्प्राप्ति हेतु निम्नानुसार कार्य निर्धारित किये जाते हैं-

1. **राज्य स्तरीय टास्क-फोर्स के कार्य -**
   - टास्क-फोर्स की त्रैमासिक बैठकें आहूत कराना एवं समिति द्वारा लिये गये निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित कराना।
   - मिशन प्रेरणा के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना।
   - मिशन प्रेरणा के क्रियान्वयन हेतु नीतिगत निर्णय लेना एवं मिशन के परिणामों का जनपदवार विश्लेषण करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनपदों को प्रोत्साहित किया जाना।
   - आवश्यकतानुसार सम्बन्धित इकाई को गति प्रदान करने हेतु निर्देशित करना।
2. **मण्डलीय स्तरीय टास्क-फोर्स के कार्य -**
   - टास्क-फोर्स की मासिक बैठकें आहूत कराना एवं समिति द्वारा लिये गये निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित कराना।
   - "मिशन प्रेरणा" की प्रगति हेतु समीक्षा एवं निर्धारित लक्ष्य की सम्प्राप्ति हेतु कार्ययोजना एवं अनुपालन।
   - प्रेरणा तकनीकी डैशबोर्ड पर प्रदर्शित इन्डीकेटर्स की मॉनीटरिंग।
   - सपोर्टिव सुपरविजन डैशबोर्ड पर प्रगति की मॉनीटरिंग।

Scanned by CamScanner

* ''मिशन प्रेरणा'' के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं की पहचान एवं उनका समय से निराकरण कराना।
* निर्धारित समयावधि में सम्बन्धित जनपद एवं मण्डल को प्रेरक जनपद/मण्डल का लक्ष्य प्राप्त किया जाना।

3. **जनपद स्तरीय टास्क-फोर्स के कार्य -**

* टास्क-फोर्स की मासिक बैठकें आहूत कराना एवं समिति द्वारा लिये गये निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित कराना।
* मिशन प्रेरणा की प्रगति सी0एम0-डैशबोर्ड ''दर्पण'' पर प्रदर्शित करना।
* प्रेरणा तकनीकी डैशबोर्ड पर प्रदर्शित इन्डीकेटर्स की मॉनीटरिंग।
* सपोर्टिव सुपरविजन डैशबोर्ड पर प्रगति की मॉनीटरिंग।
* त्रैमासिक परीक्षाओं का पारदर्शी एवं सफल क्रियान्वयन।
* परीक्षा के आधार पर विद्यालयवार रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाना एवं बच्चों का रिपोर्ट कार्ड अभिभावकों को उपलब्ध कराना।
* ए0आर0पी0 के माध्यम से निर्धारित सपोर्टिव सुपरविजन एवं 03 हस्तपुस्तिकाओं को कक्षा शिक्षण प्रक्रिया में लागू कराया जाना।
* 'दीक्षा' ऐप का प्रचार-प्रसार एवं शिक्षकों से शिक्षण सामग्री का शिक्षण कार्य में प्रभावी उपयोग कराया जाना।
* शिक्षकों को गुणवत्तापरक प्रशिक्षण प्रदान कराना।
* कक्षा-कक्ष का वातावरण सुधारने एवं आकर्षक बनाने के लिये एवं बच्चों में अपेक्षित अधिगम स्तर प्राप्त करने हेतु टी0एल0एम0, वर्कबुक, प्रिन्टरिच मैटीरियल का वितरण एवं उपयोग सुनिश्चित कराना।
* ''प्रेरणा-तालिका'' के माध्यम से विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता का अनुश्रवण करना।
* स्वतंत्र बाहय संस्था के माध्यम से विद्यालयों का सत्यापन कराते हुए विकास खण्ड को प्रेरणा विकास खण्ड के रूप में घोषित किया जाना।
* प्रत्येक विद्यालय के कक्षा-कक्षों में पुस्तकालय/लाइब्रेरी कार्नर की स्थापना।
* खण्ड शिक्षा अधिकारी/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा निर्धारित समयावधि में अपने विकास खण्ड/जनपद द्वारा फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स प्राप्त करना तथा थर्ड पार्टी असेसमेण्ट में प्रेरणा विकास खण्ड/प्रेरणा जनपद के रूप में घोषित कराना।

<u>मिशन प्रेरणा का लक्ष्य-</u>

मार्च, 2022 तक 80 प्रतिशत बच्चों तथा प्रत्येक विकास खण्ड द्वारा फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स प्राप्त करते हुए 'प्रेरक विकास खण्ड', 'प्रेरक जनपद' एवं 'प्रेरक मण्डल' का लक्ष्य प्राप्त किया जाना।

<u>मिशन प्रेरणा के घटक-</u>

''मिशन प्रेरणा'' के अन्तगत निर्धारित लक्ष्यों की सम्प्राप्ति हेतु मुख्य घटक निम्नवत हैं-

1. शिक्षा के अधिगम स्तर में वृद्धि हेतु नियमित अन्तराल पर त्रैमासिक परीक्षाओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं के लर्निंग आउटकम का आंकलन किया जाना।
2. परीक्षा के आधार पर विद्यालयवार रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाना एवं बच्चों का रिपोर्ट कार्ड अभिभावकों को प्रेषित किया जाना।
3. एकेडमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा सपोर्टिव सुपरविजन के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता-वृद्धि हेतु प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन करना।

Scanned by CamScanner

4. कक्षा-कक्ष का वातावरण सुधारने एवं आकर्षक बनाने के लिये टी0एल0एम0, वर्कबुक, प्रिन्टरिच मैटीरियल आदि उपलब्ध कराना।
5. "प्रेरणा-तालिका" के माध्यम से विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता का अनुश्रवण करना।
6. स्वतंत्र बाह्य संस्था के माध्यम से विद्यालयों का सत्यापन कराते हुए विकास खण्ड को प्रेरणा विकास खण्ड के रूप में घोषित किया जाना।
7. टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना, यथा-दीक्षा ऐप, स्मार्ट क्लासेज आदि।
8. प्रत्येक विद्यालय के कक्षा-कक्षों में पुस्तकालय/लाइब्रेरी कार्नर की स्थापना।
9. 'निष्ठा' प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त शिक्षकों को प्रशिक्षित करना।

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निम्नानुसार रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके अनुसार अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित की जानी है-

1- नियमित परीक्षायें-

छात्र-छात्राओं के लर्निंग आउटकम्स के आधार पर विषयवार अधिगम आंकलन एवं मूल्यांकन हेतु प्रत्येक त्रैमास "स्कूल लेवल असेसमेन्ट टेस्ट" आयोजित कराये जाने की व्यवस्था की गयी है। आयोजित की गयी परीक्षा का रिपोर्ट कार्ड प्रत्येक छात्र-छात्रा के अभिभावक को प्रेषित किया जायेगा एवं प्रत्येक विद्यालय की ग्रेडिंग कराते हुए स्कूल रिपोर्ट कार्ड खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रधानाध्यापकों को प्रेषित किया जायेगा, जिससे कि शैक्षणिक गुणवत्ता में निरन्तर सुधार किया जा सके।

2- फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स एवं मूल्यांकन

कक्षा-1 से 5 के बच्चों में गणित एवं भाषा में अपेक्षित अधिगम स्तर सुनिश्चित करने के लिए मिशन प्रेरणा हेतु एस0सी0ई0आर0टी, यूनीसेफ एवं विशेषज्ञ संस्थाओं के सहयोग से फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स निर्धारित किये गये हैं, जो संलग्नक-1 के रूप में प्रेषित किये जा रहे हैं। छात्रो का ग्रेडवार मूल्यांकन स्वतंत्र बाह्य एजेन्सी के माध्यम से निम्नवत् किया जायेगा-

<u>भाषा</u>

कक्षा-1 निर्धारित सूची में से 5 शब्द सही से पहचान लेते हैं।
कक्षा-2 अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।
कक्षा-3 अनुच्छेद को 30 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।
कक्षा-4 छोटे अनुच्छेद को पढ़कर 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-5 बड़े अनुच्छेद को पढ़कर 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।

<u>गणित</u>

कक्षा-1 निर्धारित सूची में से 5 संख्यायें सही से पहचान लेते हैं।
कक्षा-2 जोड़ एवं घटाना (एक अंकीय) के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-3 जोड़ एवं घटाना (हासिल के साथ) के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-4 गुणा के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-5 भाग के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।

प्रेरणा तालिका में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप ग्रेड कम्पीटेंसी हासिल किये जाने के उपरान्त जिस विकास खण्ड द्वारा यह अवगत कराया जायेगा कि उनके द्वारा निर्धारित फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स को हासिल कर लिया गया है, उस स्थिति में सम्बन्धित विकास खण्ड का निदेशालय स्तर से चयनित बाह्य संस्था के माध्यम से स्वतंत्र मूल्यांकन (थर्ड पार्टी एसेसमेण्ट) कराया जायेगा। मूल्यांकन के उपरान्त यदि यह पुष्टि होती है कि सम्बन्धित विकास खण्ड के बच्चों द्वारा फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स हासिल कर लिया गया है तो सम्बन्धित विकासखण्ड को प्रेरणा विकास खण्ड के रूप में घोषित किया जायेगा। इसी प्रकार जिस जनपद के समस्त विकास खण्डों द्वारा स्वतंत्र मूल्यांकन में फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स

Scanned by CamScanner

प्राप्त कर लिया जायेगा, उन्हे प्रेरक जनपद एवं क्रमानुसार प्रेरक मण्डल घोषित करते हुए प्रेरक राज्य का लक्ष्य प्राप्त किया जायेगा।

3- प्रेरणा तालिका-

फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स को त्रैमासिक लक्ष्य के रूप में विभाजित करते हुए प्रेरणा तालिका में अंकित किया जायेगा, जिसको विद्यालयों की कक्षा में चस्पा किया जायेगा एवं इसका माहवार प्रधानाध्यापक एवं एकेडमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा अनुश्रवण एवं प्रमाणीकरण किया जायेगा। प्रेरणा तालिका पृथक से राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा के माध्यम से समस्त जनपदों को उपलब्ध करायी जायेगी।

4- सपोर्टिव सुपरविजन-

शासनादेश द्वारा प्रत्येक जनपद के समस्त विकास खण्ड में 05 एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (ए0आर0पी0) एवं 01 डायट मेंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। तद्नुसार ए0आर0पी0 द्वारा 30 विद्यालयों का प्रतिमाह सपोर्टिव सुपरविजन किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे कि कक्षा-कक्ष के वातावरण व शैक्षिक गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार लाया जा सके। इस प्रकार ए0आर0पी0 के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख विद्यालयों का मासिक सपोर्टिव सुपरविजन किया जायेगा। ए0आर0पी0 के माध्यम से ही विभाग द्वारा विकसित 03 हस्तपुस्तिकाओं को क्लासरूम प्रेक्टिसेज में लागू किया जाना है।

इसके अन्तर्गत आधारशिला हस्तपुस्तिका का विकास इस बात को ध्यान में रखकर किया गया है कि प्रारम्भिक स्तर पर कक्षा-01 एवं 02 में भाषा एवं गणित विषयों को किस प्रकार रोचक गतिविधियों, तौर तरीकों से पढ़ाया जाय जिससे कि इन विषयों पर बच्चों की अच्छी समझ बन सके एवं विषय के प्रति रूचि उत्पन्न हो सके, जिसके फलस्वरूप बच्चों में मजबूत आधारशिला निर्मित हो सके ।

कमजोर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये रिमीडियल टीचिंग माड्यूल (ध्यानाकर्षण) विकसित करके यथाशीघ्र अध्यापकों को प्रेषित किया जा रहा है, जिसमें 18 तकनीकियों का वर्णन है, जिससे कि बच्चों के अधिगम स्तर में अपेक्षित सुधार प्राप्त हो सके। विभिन्न शैक्षणिक पद्धतियों के लिये मैनुअल के रूप में टीचिंग कम्पेन्डियम; शिक्षण संग्रहद्ध तैयार कर शीघ्र ही शिक्षकों को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कि शिक्षण प्रणाली को बेहतर किया जा सके।

5- 'निष्ठा' प्रशिक्षण कार्यक्रम-

शिक्षकों में क्षमता वृद्धि किये जाने हेतु प्रदेश के समस्त विकास खण्डों में निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत प्रदेश के सभी 5.75 लाख शिक्षकों, शिक्षा मित्रों एवं अनुदेशकों को चरणबद्ध ढंग से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जो मार्च, 2020 तक पूर्ण किया जायेगा, जिसमें स्कूल लीडरशिप माड्यूल भी सम्मिलित है।

6- 'दीक्षा' ऐप का प्रयोग-

दीक्षा (DIKSHA-Digital Infrastructure for knowledge sharing) ऐप के माध्यम से शिक्षकों के लिए अतिरिक्त डिजिटल शिक्षण सामग्री उपलब्ध करायी गयी है जिसके माध्यम से कक्षा शिक्षण को रूचिकर एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। इस हेतु शिक्षकों और विद्यार्थियों के लाभ के लिए 3000 से अधिक वीडियो शिक्षण सामग्री दीक्षा ऐप पर उपलब्ध करायी गयी है। दीक्षा ऐप का जनपद स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाय तथा समस्त शिक्षकों को उक्त ऐप डाउनलोड करने हेतु प्रेरित किया जाय, जिससे कि शिक्षकों द्वारा ऐप पर उपलब्ध डिजटल शिक्षण सामग्री का शिक्षण कार्य में प्रभावी उपयोग किया जा सके।

7- पुस्तकालय का उपयोग-

बच्चों में पढ़ने के प्रति रूचि विकसित करने के उद्देश्य से सभी विद्यालयों में लाइब्रेरी विद रीडिंग कार्नर स्थापित करते हुये पुस्तकालय का उपयोग सुनिश्चित किया जाय।

Scanned by CamScanner

''मिशन प्रेरणा'' को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कार्यक्रम घोषित किया गया है। मा0 मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स द्वारा ''मिशन प्रेरणा'' का अनुश्रवण एवं समय-समय पर मण्डलों/जनपदों की समीक्षा की जायेगी। प्रेरक विकास खण्ड एवं प्रेरक जनपद घोषित होने एवं इसमें अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों एवं शिक्षकों को पुरस्कृत करने की योजना विभाग द्वारा बनायी जायेगी।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ''मिशन प्रेरणा'' के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु उपर्युक्तानुसार अपने स्तर से अपेक्षित कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: उक्तवत्।

भवदीया,

24/2/2020

(रेणुका कुमार)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1- स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवगतार्थ।
2- प्रमुख सचिव, पंचायती राज, उ0प्र0 शासन।
3- प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उ0प्र0 शासन।
4- प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास, उ0प्र0 शासन।
5- प्रमुख सचिव, नगर विकास, उ0प्र0 शासन।
6- महानिदेशक, स्कूल शिक्षा,उ0प्र0।
7- राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा,उ0प्र0 लखनऊ।
8- निदेशक, मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण, उ0प्र0।
9- निदेशक (बेसिक शिक्षा), उ0प्र0।
10- निदेशक,राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,उ0प्र0 लखनऊ।
11- समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उ0प्र0।
12- समस्त उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उ0प्र0।
13- समस्त मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ0प्र0।
14- समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।
15- समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।
16- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(उमेश कुमार तिवारी) 28.02.2020
उप सचिव।

Scanned by CamScanner

संलग्नक-1

प्रेरणा सूची – गणित (कक्षा 1)

प्रेरणा उत्तर प्रदेश

विषय		दक्षताएँ
	1	बच्चों में संख्या से पूर्व अवधारणाओं की समझ होना जैसे दूर-पास, लम्बा-छोटा, पहले-बाद आदि और अलग-अलग वस्तुओं को गुणा के आधार पर वर्गीकृत कर लेना
	2	बच्चे 1 से 99 तक की संख्याओं को पहचान सकें, लिख सकें, उनकी तुलना कर सकें और उन्हें सही क्रम में लगा सकें ।
	3	बच्चे वस्तुओं का उपयोग कर के 1 से 99 तक की संख्याओं को गिन सकें।
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	4	बच्चे एक स्थिर अंतराल से घटने या बढ़ने वाले अंको के पैटर्न को पहचान सकें और उन्हें पूरा कर सकें । स्थिर अंतराल आसान नियमों जैसे कि 1, 2 या 4 के अनुसार बदलना चाहिए; 1 या 10 के अंतराल पर छोड़ कर गिनती कर पाना।
	5	संख्याओं के मध्य रिक्त संख्याओं की पूर्ति कर लेते है।
	6	बच्चे 1 -50 तक की संख्याओं में इकाई-दहाई की समझ विकसित कर लेते हैं।
	7	बच्चे वस्तुओं के उपयोग से 1 से 9 तक की संख्याओं को जोड़ पाएं।
	8	बच्चे वस्तुओं के उपयोग से 1 से 9 तक की संख्याओं को घटा पाएं।
	9	बच्चे शून्य (ज़ीरो) की अवधारणा को समझ पाएं।
	10	बच्चे सीधी रेखा, गोला, त्रिभुज, चतुर्भुज जैसी आकृतियों को कुछ वस्तुओं जैसे कि मेज, किताब आदि के माध्यम से पहचान सकें।
ज्यामिति और माप	11	विभिन्न ठोस/ आकार का अपनी भाषा में वर्णन करना जैसे "गेंद लुढ़कती है", "बक्सा सरकता है"
	12	विभिन्न आकारों का प्रयोग करते हुए नई आकृतियों की रचना करना
	13	मापन के गैर मानक माध्यमों का प्रयोग करना जैसे कदम, बित्ता आदि
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	14	दृश्य सामग्री में दिए गए चित्रों और संख्याओं के आधार पर सामान्य सूचनाएं इकट्ठा करना, नोट करना, अनुमान लगाना।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – गणित (कक्षा 2)

विषय		दक्षताएँ
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	1	बच्चे 100 से 999 तक की संख्याओं को पहचान सकें, लिख सकें, उनकी तुलना कर सकें और उन्हें सही क्रम में लगा सकें ।
	2	बच्चे 3 अंकों वाली संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें ।
	3	बच्चे दो अंकों की संख्या को एक अंक और दो अंकों की संख्या के साथ लंबवत रूप से जोड़/घटा सकें । हासिल के साथ जोड़ना/घटाना (99 से अधिक नहीं)।
	4	बच्चे 99 तक जोड़ और घटा वाले शब्द प्रश्नों को हल कर सकें ।
	5	सख्याओं के मध्य रिक्त संख्याओं की पूर्ति कर लेते है।
	6	बच्चे 1 -100 तक की संख्याओं में इकाई-दहाई की समझ विकसित कर लेते है।
	7	बच्चे एक अंक वाली 2 संख्याओं को गुणा/भाग कर सकें - उत्तर 90 से ज़्यादा नहीं ।
	8	बच्चे 1 अंकों की संख्या को 1 अंक की संख्या से गुणा/भाग कर सकते हैं
ज्यामिति और माप	9	बच्चे सीधी रेखा, गोला, त्रिभुज, चतुर्भुज आदि आकृतियों को बना सकें ।
	10	बच्चे किसी वस्तु की लंबाई मापने के लिए विभिन्न गैर मानक इकाइयों जैसे कि हाथ, पैर या पट्टी आदि का उपयोग करते हैं
	11	बच्चे वज़न और धारीता (द्रव्यमान) मापने के लिए गैर मानक इकाइयों जैसे कि पत्थर, मोती, गिलास या कटोरा आदि का उपयोग करते हैं ।
	12	विभिन्न 3Dआकारों जैसे घन, बेलनाकार, शंकु और गोलाकार को पहचानना और उनके आकार बनाना
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	13	घंटे या दिन की अवधि के आधार पर घटनाओं को क्रम में लगाना और सप्ताह के दिन और वर्ष के महीने पहचानना
	14	दृश्य सामग्री में दिए गए चित्रों और संख्याओं के आधार पर सामान्य सूचनाएं इकट्ठा करना, नोट करना, अनुमान लगाना।

Scanned by CamScanner

संलग्नक-1

प्रेरणा सूची –गणित (कक्षा 1)

विषय	दक्षताएँ
	1 बच्चों में संख्या से पूर्व अवधारणाओं की समझ होना जैसे दूर-पास, लम्बा-छोटा, पहले-बाद आदि और अलग-अलग वस्तुओं को गुणा के आधार पर वर्गीकृत कर लेना
	2 बच्चे 1 से 99 तक की संख्याओं को पहचान सकें, लिख सकें, उनकी तुलना कर सकें और उन्हें सही क्रम में लगा सकें ।
	3 बच्चे वस्तुओं का उपयोग कर के 1 से 99 तक की संख्याओं को गिन सकें।
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	4 बच्चे एक स्थिर अंतराल से घटने या बढ़ने वाले अंको के पैटर्न को पहचान सकें और उन्हें पूरा कर सकें । स्थिर अंतराल आसान नियमों जैसे कि 1, 2 या 4 के अनुसार बदलना चाहिए; 1 या 10 के अंतराल पर छोड़ कर गिनती कर पाना।
	5 संख्याओं के मध्य रिक्त संख्याओं की पूर्ति कर लेते है।
	6 बच्चे 1 -50 तक की संख्याओं में इकाई-दहाई की समझ विकसित कर लेते हैं।
	7 बच्चे वस्तुओं के उपयोग से 1 से 9 तक की संख्याओं को जोड़ पाएं।
	8 बच्चे वस्तुओं के उपयोग से 1 से 9 तक की संख्याओं को घटा पाएं।
	9 बच्चे शून्य (ज़ीरो) की अवधारणा को समझ पाएं।
	10 बच्चे सीधी रेखा, गोला, त्रिभुज, चतुर्भुज जैसी आकृतियों को कुछ वस्तुओं जैसे कि मेज, किताब आदि के माध्यम से पहचान सकें।
ज्यामिति और माप	11 विभिन्न ठोस/ आकार का अपनी भाषा में वर्णन करना जैसे "गेंद लुढ़कती है", "बक्सा सरकता है"
	12 विभिन्न आकारों का प्रयोग करते हुए नई आकृतियों की रचना करना
	13 मापन के गैर मानक माध्यमों का प्रयोग करना जैसे कदम, बित्ता आदि
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	14 दृश्य सामग्री में दिए गए चित्रों और संख्याओं के आधार पर सामान्य सूचनाएं इकट्ठा करना, नोट करना, अनुमान लगाना।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची –गणित (कक्षा 2)

विषय		दक्षताएँ
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	1	बच्चे 100 से 999 तक की संख्याओं को पहचान सकें, लिख सकें, उनकी तुलना कर सकें और उन्हें सही क्रम में लगा सकें ।
	2	बच्चे 3 अंकों वाली संख्याओं को घटते या बढ़ते हुए क्रम में लगा सकें ।
	3	बच्चे दो अंकों की संख्या को एक अंक और दो अंकों की संख्या के साथ लंबवत रूप से जोड़/घटा सकें । हासिल के साथ जोड़ना/घटाना (99 से अधिक नहीं)।
	4	बच्चे 99 तक जोड़ और घटा वाले शब्द प्रश्नों को हल कर सकें ।
	5	सख्याओं के मध्य रिक्त संख्याओं की पूर्ति कर लेते है।
	6	बच्चे 1 -100 तक की संख्याओं में इकाई-दहाई की समझ विकसित कर लेते है।
	7	बच्चे एक अंक वाली 2 संख्याओं को गुणा/भाग कर सकें - उत्तर 90 से ज़्यादा नहीं ।
	8	बच्चे 1 अंकों की संख्या को 1 अंक की संख्या से गुणा/भाग कर सकते हैं
ज्यामिति और माप	9	बच्चे सीधी रेखा, गोला, त्रिभुज, चतुर्भुज आदि आकृतियों को बना सकें ।
	10	बच्चे किसी वस्तु की लंबाई मापने के लिए विभिन्न गैर मानक इकाइयों जैसे कि हाथ, पैर या पट्टी आदि का उपयोग करते हैं
	11	बच्चे वज़न और धारीता (द्रव्यमान) मापने के लिए गैर मानक इकाइयों जैसे कि पत्थर, मोती, गिलास या कटोरा आदि का उपयोग करते हैं ।
	12	विभिन्न 3Dआकारों जैसे घन, बेलनाकार, शंकु और गोलाकार को पहचानना और उनके आकार बनाना
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	13	घंटे या दिन की अवधि के आधार पर घटनाओं को क्रम में लगाना और सप्ताह के दिन और वर्ष के महीने पहचानना
	14	दृश्य सामग्री में दिए गए चित्रों और संख्याओं के आधार पर सामान्य सूचनाएं इकट्ठा करना, नोट करना, अनुमान लगाना।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – गणित (कक्षा 3)

विषय		दक्षताएँ
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	1	बच्चे 999 तक की संख्याओं को पहचान सकते हैं, लिख सकते हैं (शब्दों में), तुलना कर सकते हैं तथा उनको एक क्रम में लगा सकते हैं।
	2	बच्चे दी गई संख्या में इकाई, दहाई, सैकड़ा और हज़ार की पहचान कर सकते हैं । 999 तक संख्याओं का निर्माण करना तथा उनको तोड़ सकते हैं।
	3	बच्चे एक स्थिर अंतराल से घटने या बढ़ने वाले अंको के पैटर्न को पहचान सकें और उन्हें पूरा कर सकें । स्थिर अंतराल आसान नियमों जैसे कि 1, 2 या 4 के अनुसार बदलना चाहिए; 2 और 3 अंकों की संख्याओं से 2, 5, 10 या 100 के अंतराल पर छोड़ कर सीधी गिनती तथा 10 के अंतराल पर छोड़ कर उल्टी गिनती कर पाना।
	4	बच्चे सम और विषम संख्याओं को पहचान सकते हैं ।
	5	बच्चे तीन अंकों की संख्याओं को लंबवत रूप से लगा कर जोड़/घटा सकते हैं ।
	6	बच्चे 3 अंकों की संख्या को 1 अंक की संख्या से गुणा/भाग कर सकते हैं - उत्तर 999 से ज़्यादा नहीं ।
	7	बच्चे गुणा, भाग, जोड़ एवं घटाने से जुड़े शाब्दिक प्रश्न हल कर सकते हैं ।
	8	बच्चे किसी वस्तु के भागों को भिन्न के रूप में प्रदर्शित कर लेते है और भिन्न संख्या में अंश और हर को बता लेते है।
ज्यामिति और माप	9	बच्चे सपाट या समतल, गोलाकार, आयताकार और वर्गाकार वस्तुओं को पहचान सकते हैं तथा उनकी विशेषताएं बता सकते हैं ।
	10	बच्चे मानक इकाइयों जैसे कि मीटर और सेंटीमीटर, किलोग्राम और ग्राम आदि में माप सकते हैं तथा इन इकाइयों का उपयोग करके साधारण जोड़ और घटा कर सकते हैं ।
	11	बच्चे विभिन्न आकृतियों का परिमाप ज्ञात कर सकते हैं ।
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	12	बच्चे पैसों से संबंधित जोड़ और घटा के सवाल हल कर सकते हैं - 999 तक ।
	13	बच्चे घड़ी देख कर समय बता सकते हैं ।
	14	सभी आकड़ों को टैली मार्क्स द्वारा संग्रहीत करना, चित्र के माध्यम से दर्शाना और डिश्कर्ष निकालना।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – गणित (कक्षा 4)

विषय		दक्षताएँ
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	1	बच्चे 6 अंकों की संख्याओं को पहचान सकते हैं, लिख सकते हैं (शब्दों में), तुलना कर सकते हैं तथा उनको एक क्रम में लगा सकते हैं।
	2	बच्चे 6 अंकों की संख्याओं को आरोही व अवरोही क्रम में लिख सकते हैं और किसी दी गई संख्या की अगली या पिछली संख्या को पहचान सकते हैं।
	3	बच्चे 6 अंको की संख्याओं को जोड़/घटा सकते हैं (हासिल के साथ) ।
	4	बच्चे 3 अंकों की संख्याओं को गुणा कर सकते हैं ।
	5	बच्चे 5 अंकों की संख्याओं को 2 अंकों वाली संख्या से भाग दे सकते हैं ।
	6	बच्चे गुणा, भाग, जोड़ एवं घटाने से जुड़े शाब्दिक प्रश्न हल कर सकते हैं ।
	7	बच्चे दो 2 अंकों की संख्याओं का लघुत्तम समापवर्तक और महत्तम समापवर्तक ज्ञात कर सकते हैं ।
	8	बच्चे दी गई भिन्न को चित्र में प्रदर्शित करते है और छोटी/बड़ी एवं सम/विषम भिन्न में अंतर कर लेते है।
	9	बच्चे दशमलव वाली संख्याओं को दशमलव के दो स्थानों तक जोड़ और घटा सकते हैं।
ज्यामिति और माप	10	बच्चे खुली और बंद आकृतियों को समझ और पहचान सकते हैं ।
	11	ज्यामितीय आकारों को समरूपता (Symmetry) आधार पर समझना, पहचानना, और क्रमानुसार सजाना।
	12	बच्चे त्रिभुज, आयताकार आदि आकृतियों का परिमाप ज्ञात करलेते है और परिमाप आधारित शाब्दिक प्रष्न हल कर लेते है।
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	13	जमा किये हुए आंकड़ों को तालिका या डंडालेख दर्शाते हुए निष्कर्ष निकालना।
	14	बच्चे घंटे, मिनट और सैकंड के बीच के संबंध को समझ सकते हैं, समय पढ़ सकते हैं, घंटे और मिनट को बिना बदले जोड़ सकते हैं तथा किसी घटना या गतिविधि की समय अवधि ज्ञात कर सकते हैं ।
	15	बच्चे एक कैलेंडर को पढ़ सकते हैं, साल के दिन / महीने / तारीख को पहचान सकते हैं ।
	16	बच्चे सरल डेटा को पढ़ और समझ सकते हैं तथा उससे निष्कर्ष निकाल सकते हैं ।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – गणित (कक्षा 5)

विषय		दक्षताएँ
संख्याओं की समझ एवं गणितीय कार्य	1	बच्चे 8 अंकों की संख्याओं को पहचान सकते हैं, लिख सकते हैं (शब्दों में), तुलना कर सकते हैं, उनको एक क्रम में लगा सकते हैं तथा अंकों का स्थानीय मान पहचान सकते हैं ।
	2	बच्चे 1 लाख तक अंकों को जोड़ और घटा सकते हैं ।
	3	बच्चे गुणा, भाग, जोड़ एवं घटाने से जुड़े शाब्दिक प्रश्न हल कर सकते हैं ।
	4	बच्चे लघुत्तम समापवर्तक और महत्तम समापवर्तक वाले सवाल हल कर सकते हैं ।
	5	बच्चे भिन्न अंकों के गुणा और भाग वाले सवाल हल कर सकते हैं ।
	6	बच्चे प्रतिशत के अवधारण को जानते है - किसी संख्या के 5 %, 10 %, 25 % आदि की गणना कर लेता है।
	7	बच्चे दशमलव वाली संख्याओं को दशमलव के तीन स्थानों तक जोड़ और घटा सकते हैं।
	8	बच्चे भिन्न अंक को प्रतिशत में दर्शा या बदल सकते हैं ।
	9	बच्चे आसान सवालों को हल करके औसत की समझ का प्रदर्शन कर सकते हैं, जैसे कि पूर्णांक में दी गई 5 वस्तुओं की औसत लंबाई ज्ञात कर पाना (99 मीटर तक) ।
	10	बच्चे लाभ और हानि से संबंधित सवालों को हल कर सकते हैं ।
ज्यामिति और माप	11	बच्चे एक वृत्त की परिधि, त्रिज्या और व्यास ज्ञात कर सकते हैं और वर्ग, आयत का क्षेत्रफल ज्ञात कर सकते हैं । इसके अतिरिक्त बच्चे 3D आकृतियों का आयतन निकाल पाते है।
	12	बच्चे कोणों के प्रकार (न्यून, समकोण, अधिक कोण, वृहद् कोण) की जानकारी रखते है।
	13	बच्चे चांदे की सहायता से त्रिभुज के तीनो अंत: कोण कोणों का योगफल ज्ञात कर लेते है
सामान्य गणित एवं डेटा संधारण	14	बच्चे रोज़मर्रा के जीवन से जुड़े रुपए, लम्बाई, वज़न, समय, आयतन से सम्बंधित जोड़, घटा, गुणा और भाग सवालों को हल कर सकते हैं ।
	15	बच्चे बस या रेलवे की समय तालिका पढ़ सकते हैं ।
	16	बच्चे किसी वर्ग आलेख, चित्र आलेख या तालिका में दिए गए डेटा को पढ़ और समझ कर सवाल हल कर सकते हैं ।

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – हिंदी (कक्षा 1)

विषय		दक्षताएँ
सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना	1	ग्रेड 1 के स्तर की कहानियों और कविताओं का आदर्श वाचन होते हुए सुनकर समझ लेता/लेती है
	2	ग्रेड 1 के स्तर का पाठ सुनकर घटनाओं और पात्रों के बारे में प्रत्यक्ष तौर पर स्मृति आधारित प्रश्नों के जवाब दे सकता/सकती है
मौखिक शब्दावली	3	रोजमर्रा के परिवेश में सुने जाने वाले सरल क्रिया शब्दों, चीजों/जानवरों के नाम बता सकता/सकती है (परिचित चित्र पहचान संज्ञाएँ व क्रिया शब्द) ।
मौखिक अभिव्यक्ति व वर्णन	4	खुद के बारे में व साधारण स्थितियों के बारे में घर की भाषा में बात करते हैं ।
	5	वस्तुओं का वर्णन करते हैं किसी चित्र के बारे में कुछ वाक्य अपनी भाषा में बोल सकता/सकती है
प्रथम ध्वनि पहचान	6	परिचित शब्दों की प्रथम ध्वनी (इकाई ध्वनी) को पहचान सकता/सकती है
वर्ण पहचान	7	ग्रेड 1 के पाठ्यक्रम में सम्मिलित सभी वर्णों और अक्षरों को पहचान लेता/लेती है
शब्द पहचान/पढना	8	ग्रेड 1 में सिखाये गए वर्णों और अक्षरों (3 तक वर्ण या अक्षरों से बने) से बने परिचित शब्दों को उचित गति और शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है
	9	ग्रेड 1 में सिखाये गए वर्णों और अक्षरों (3 तक वर्ण या अक्षरों से बने) से बने अपरिचित शब्दों को उचित गति और शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है
मौखिक पठन प्रवाह	10	4-5 वाक्यों के एक सरल पाठ्यांश को शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है
पढ़कर समझना	11	ग्रेड 1 के स्तर के पाठ को समझते हुए पढ़ सकता/सकती है
	12	पाठ में से स्पष्ट दिखने वाली जानकारी को निकाल या बता सकता है (जैसे, इस तरह के प्रश्नों के जवाब- 'लड़की का नाम क्या है?' जबकि पाठ में लिखा हो, 'लड़की का नाम शांति है)
लेखन	13	सरल परिचित शब्द लिख लेता/लेती है - जिनमें 2-3 अक्षर हों
	14	चित्र/पात्र/घटना का विवरण देने के लिए शब्द लिख सकता/सकती है

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची - हिंदी (कक्षा 2)

विषय		दक्षताएँ
सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना	1	ग्रेड 2 के स्तर की कहानियों और कविताओं का आदर्श वाचन होते हुए सुनकर समझ लेता/लेती है
	2	स्पष्ट तौर पर कहे गए मुख्य विचारों, पात्रों और घटनाओं को स्मृति के आधार पर बता सकता/सकती है तथा आदर्श वाचन किये गए पाठ से (व पाठ के परे) सरल निष्कर्ष निकाल सकता/सकती है (ग्रेड 2 के स्तर का पाठ)
मौखिक शब्दावली	3	ग्रेड 2 के पाठ में इस्तेमाल किये गए टायर/स्तर-2 के शब्दों को समझते हैं जैसे- ईमानदारी, उदारता तथा इनमें से कुछ का अपने जवाबों में इस्तेमाल कर सकता/सकती है
मौखिक अभिव्यक्ति व वर्णन	4	घर की भाषा में अपनी सोच, विचारों व राय को मौखिक तौर पर व्यक्त करता/करती है तथा पात्रों व कथानक के बारे में प्रश्न पूछता/पूछती है ।
	5	चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को घर की भाषा में हाव-भाव व शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए सुना सकता/सकती है तथा तथ्यों को हिन्दी के सरल वाक्यों में पुनः बता सकता/सकती है ।
ध्वनियों में जोड़-तोड़ कर पाना	6	बहु-अक्षरीय शब्दों की ध्वनियों को जोड़-तोड़ सकता/सकती है
वर्ण पहचान	7	ग्रेड 2 के पाठ्यक्रम में सम्मिलित सभी वर्णों और अक्षरों तथा संयुक्ताक्षरों को पहचान लेता/लेती है
शब्द पहचान/पढना	8	ग्रेड 2 के अंत तक सिखाये गए वर्णों और अक्षरों (3 या उससे अधिक वर्ण या अक्षर) से बने परिचित शब्दों को उचित गति और शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है
मौखिक पठन प्रवाह	9	अपने ग्रेड के स्तर के 7-10 वाक्यों (50- 60 शब्द) से बने पाठ्यांश को उचित या ठीक-ठाक प्रवाह व शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है
पढ़कर समझना	10	ग्रेड 2 के स्तर के पाठ (कविता, कहानी व सरल जानकारीपरक पाठ) को समझते हुए पढ़ सकता/सकती है व साथ में शब्दों के अर्थ भी जानता है और सरल निष्कर्ष भी निकाल सकता/सकती है
	11	पाठ में से कही गयी जानकारी को ढूंढ कर सरल निषकर्ष के आधार पर छूटी हुई जानकारी को निकालना । उदहारण के लिए, विजय के पास लाल हैट, नीला कोट, और पीले मोज़े थे - हैट का रंग क्या था ? इसी के साथ घटनाओं के सन्दर्भ में किसी पात्र की मंशाओं व कारणों के बारे में निष्कर्ष निकाल सकता/सकती है ।
	12	घर की भाषा में सरल शब्दों में कहानी पुनः सुना सकता है और हिन्दी में भी प्रयास कर्ता/करती है
लेखन	13	डिकोडिंग की गतिविधि के तौर पर शब्द लिख सकता/सकती है । संरचनाबद्ध लेखन गतिविधि के तौर पर शब्द व सरल वाक्य लिख सकता/सकती है (उदहारण के लिए, इस तरह के प्रश्नों पर प्रतिक्रिया देते हुए जैसे, गाँव का नाम क्या था?; बिल्ली चूहे के पीछे क्यों भागी ?
	14	किसी चित्र या अनुभव पर 2-3 वाक्य सही-सही लिख लेता/लेती है

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – हिंदी (कक्षा 3)

विषय		दक्षताएँ
सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना	1	समझ लेता/लेती है कि आदर्श वाचन किये जा रहे पाठ में सन्दर्भ के अनुरूप अर्थ किस तरह परिवर्तित होता है
	2	आदर्श वाचन किये गए पाठ में से मुख्य विचारों, पात्रों व घटनाओं को विस्तार से बता सकता/सकती है व आदर्श वाचन किये गए पाठ से निष्कर्ष निकाल सकता है (ग्रेड 3 के स्तर का पाठ)
मौखिक शब्दावली	3	टायर/स्तर-2 के शब्दों से संबंधित वृहद शब्दावली को समझ लेता/लेती है व अमूर्त शब्दों को भी उपयुक्त तरीके से इस्तेमाल कर सकता/सकती है
मौखिक अभिव्यक्ति व वर्णन	4	हिन्दी में अपनी सोच,विचारों व राय को मौखिक रूप से बता सकता/सकती है तथा पात्रों और कथानक के बारे में प्रश्न पूछ सकता/सकती है।
	5	अधिक परिष्कृत व जटिल शब्दावली और वाक्य संरचना का इस्तेमाल करते हुए चित्रों पर आधारित किसी कहानी को सुना सकता/सकती है
शब्द पहचान/पढना	6	अपरिचित शब्दों जिनमें संयुक्ताक्षरों से बने व बहु-अक्षरीय शब्द भी शामिल हैं, को शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है
मौखिक पठन प्रवाह	7	अपने ग्रेड के स्तर के 10-12 वाक्यों (70 -100 शब्द) से बने पाठ्यांश को बेहतर प्रवाह व शुद्धता के साथ पढ़ सकता/सकती है
पढ़कर समझना	8	ग्रेड 3 के स्तर के पाठ (अलग-अलग शैली के) को समझते हुए पढ़ सकता/सकती है व साथ में शब्दों के अर्थ भी जानता है
	9	पूरे पाठ की एक पूर्ण समझ बनाते हुए तार्किक कौशलों का इस्तेमाल कर सकता/सकती है और पाठ के बारे में अपनी राय निर्मित कर सकता/सकती है
	10	पाठ में से मुख्य जानकारी निकाल सकता/सकती है, 2 या अधिक वाक्यों के आधार पर निषकर्ष निकाल सकता/सकती है
	11	सामान्य मुहावरों व विभिन्न प्रकार की वाक्य संरचनाओं से अर्थ निर्माण कर सकता/सकती है
	12	कहानी को परिस्थिति, पात्रों , घटनाओं के सही क्रम व सही अंत के साथ पुनः सुना सकता/सकती है।
लेखन	13	पाठ से प्रत्यक्ष तौर पर जुड़े हुए प्रश्नों के उत्तर में 2-3 वाक्यों में संरचनाबद्ध जवाब लिख सकता/सकती है
	14	उपयुक्त संज्ञा शब्दों, सर्वनाम, विशेषण, पूर्वसर्ग और वाक्य संरचनों का इस्त्तेमाल करते हुए 5-6 वाक्यों के एक सार्थक पाठ की रचना करना और लिखना

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – हिंदी (कक्षा 4)

विषय		दक्षताएँ
सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना	1	किसी पाठ/भाषण/बात को सुनकर या किसी विडियो को देखकर उसके उद्देश्य, सन्दर्भ और मुख्य भाव को समझते हुए अपना विचार बना लेता/लेती है.
	2	किसी पाठ/भाषण/बात को सुनकर उसके बारे में एक तर्कसंगत राय बना लेता/लेती है, पाठ/भाषण/बात को संक्षिप्त में बता लेता/लेती है और निष्कर्ष आधारित प्रश्नों का उत्तर दे पाता/पाती है. (बड़े पाठ)
शब्द-भंडार	3	टायर/स्तर-2 के शब्दों से संबंधित वृहद शब्दावली को समझ लेता/लेती है, अमूर्त शब्दों को भी उपयुक्त तरीके से दिए गए सन्दर्भ में इस्तेमाल कर सकता/सकती है. पाठ के अपरिचित शब्दों पहचान कर व्याकरण के आधार पर अर्थ बता पाता/पाती है
मौखिक अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता	4	किसी बात/बिंदु पर अपनी सोच,विचारों व राय को मौखिक रूप से बता सकता/सकती है और विविधता के साथ वाक्य संरचना का इस्तेमाल करते हुए किसी कहानी को सुना सकता/सकती है
	5	किसी कहानी/घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर पाता/पाती है और छोटे-छोटे संवाद को प्रभावी तरीके से बोल पाता/पाती है.
भाषा संरचना और व्याकरण	6	संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया के उपयोग को अच्छी तरह समझ कर उसे लिखने और बोलने में उपयोग करता/करती है
	7	परिचित शब्दों के विपरीतार्थक और सामानार्थी अर्थ को जानती/जानता है.
	8	लेखन के दौरान विराम चिह्नों का उचित उपयोग कर पाता/पाती है.
धाराप्रवाह पठन	9	अपने स्तर के विविध तरह के पाठ को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, शुद्धता और गति के साथ पढ़ पाता/पाती है.
पढ़कर समझना	10	ग्रेड 4 के स्तर के पाठ (अलग-अलग शैली के) को समझते हुए पढ़ सकता/सकती है और उसके बारे में अपनी बात/विचार रख सकता/सकती है
	11	पाठ में से मुख्य जानकारी निकाल सकता/सकती है, 2 या अधिक पाठ्यांशों के आधार पर पाठ के बारे में निष्कर्ष निकाल सकता/सकती है, कहानी को पूरी तरह पुनः सुना सकता/सकती है ।
	12	सामान्य मुहावरों व विभिन्न प्रकार की वाक्य संरचनाओं से अर्थ निर्माण कर सकता/सकती है ।
	13	पाठ से प्रत्यक्ष तौर पर जुड़े हुए प्रश्नों के उत्तर में 3-5 वाक्यों में संरचनाबद्ध जवाब लिख सकता/सकती है
लेखन	14	किसी पाठ के आधार पर प्रश्नों के उत्तर 4-5 वाक्यों लिख पाता/पाती है
	15	उपयुक्त भाषा संरचना और व्याकरण का इस्तेमाल करते हुए 5-6 वाक्यों के एक सार्थक पाठ की रचना करती है और लिख सकती है
	16	4-6 वाक्यों के सन्देश वाले पत्र लिख सकती/सकता है

Scanned by CamScanner

प्रेरणा सूची – हिंदी (कक्षा 5)

विषय		दक्षताएँ
सुनकर समझना और प्रतिक्रिया देना	1	किसी पाठ/भाषण/बात को सुनकर या किसी विडियो को देखकर उसके उद्देश्य, सन्दर्भ और मुख्य भाव को समझते हुए अपना विचार बना लेता/लेती है.
	2	किसी पाठ/भाषण/बात को सुनकर उसके बारे में एक तर्कसंगत राय बना लेता/लेती है, पाठ/भाषण/बात को संक्षिप्त में बता लेता/लेती है और निष्कर्ष आधारित प्रश्नों का उत्तर दे पाता/पाती है. (बड़े पाठ)
शब्द-भंडार	3	विभिन्न विषयों और सन्दर्भों के नए शब्दों को बातचीत के आधार पर सीख पाता/पाती है (उसके अर्थ और उपयोग को समझना) और अपने सन्दर्भ में उपयोग कर पाता/पाती है. पाठ के अपरिचित शब्दों पहचान कर व्याकरण के आधार पर अर्थ बता पाता/पाती है
मौखिक अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता	4	किसी बात/बिंदु पर अपनी सोच,विचारों व राय को मौखिक रूप से बता सकता/सकती है और विविधता के साथ वाक्य संरचना का इस्तेमाल करते हुए किसी कहानी को सुना सकता/सकती है
	5	किसी कहानी/घटना के आधार पर किसी पात्र का अभिनय कर पाता/पाती है और संवाद को प्रभावी तरीके से बोल पाता/पाती है.
	6	लय वाले छोटी-छोटी कविताएँ बना लेता/लेती है और किसी परिचित विषय पर संक्षिप्त में भाषण देता/देती है
भाषा संरचना और व्याकरण	7	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और उपसर्ग, प्रत्यय के उपयोग को अच्छी तरह समझ कर उसे लिखने और बोलने में उपयोग करता/करती है
	8	परिचित शब्दों के विपरीतार्थक और सामानार्थी अर्थ को जानती/जानता है.
	9	लेखन के दौरान विराम चिह्नों का उचित उपयोग कर पाता/पाती है और स्वयं लेखन की त्रुटियाँ सुधार पाता/पाती है
धाराप्रवाह पठन	10	अपने स्तर के विविध तरह के पाठ को उपयुक्त उतार-चढ़ाव, शुद्धता और गति के साथ पढ़ पाता/पाती है.
पढ़कर समझना	11	ग्रेड 5 के स्तर के पाठ (अलग-अलग शैली के) को समझते हुए पढ़ सकता/सकती है और उसके बारे में अपनी बात/विचार रख सकता/सकती है
	12	पाठ में से मुख्य जानकारी निकाल सकता/सकती है, 2 या अधिक पाठ्यांशों के आधार पर पाठ के बारे में निष्कर्ष निकाल सकता/सकती है, पाठ को पूरी तरह पुनः सुना सकता/सकती है ।
	13	विभिन्न प्रकार की वाक्य संरचनाओं से अर्थ निर्माण कर सकता/सकती है
लेखन	14	पाठ से प्रत्यक्ष तौर पर जुड़े हुए प्रश्नों के उत्तर में 5-7 वाक्यों में संरचनाबद्ध जवाब लिख सकता/सकती है
	15	किसी विषय/कहानी पर 7-8 और उससे ज्यादा वाक्यों वाला पाठ/लेख लिख सकता/सकती है
	16	7-8 वाक्यों के सन्देश वाले पत्र और आवेदन लिख सकती/सकता है

Scanned by CamScanner